सफलता की शुरुआत
सिर्फ मोशन के साथ...

NSEJS

2022 - 2023

ANSWER KEY

Toll Free : 1800-212-1799
Corporate Office :394, Rajeev Gandhi Nagar, Kota

MOTION®

Umeed Rank Ki Ho Ya Selection Ki, JEET NISCHIT HAI!

MOST PROMISING RANKS
PRODUCED BY MOTION FACULTIES

NEET / AIIMS

- AIR-1 TO 10 — 25 TIMES
- AIR-11 TO 25 — 37 TIMES
- AIR-26 TO 50 — 43 TIMES
- AIR-51 TO 100 — 78 TIMES

JEE MAIN+ADVANCED

- AIR-1 TO 10 — 8 TIMES
- AIR-11 TO 25 — 6 TIMES
- AIR-26 TO 50 — 19 TIMES
- AIR-51 TO 100 — 31 TIMES

NATION'S BEST SELECTION
PERCENTAGE (%) RATIO

STUDENT QUALIFIED IN NEET

2021	3276 / 3411 = 93.12%
2020	2663 / 2843 = 93.66%
2019	2041 / 2212 = 92.27%

STUDENT QUALIFIED IN JEE ADVANCED

2021	1256 / 2994 = 41.95%
2020	994 / 2538 = 39.16%
2019	769 / 2105 = 36.53%

STUDENT QUALIFIED IN JEE MAIN

2022	4818 / 66.53 = 72.41%
2021	2994 / 4087 = 73.25%
2020	2538 / 3554 = 71.44%

NITIN VIJAY (NV Sir)
Founder & CEO

MOTION®

1800 212 1799

Corporate Office : 394, Rajeev Gandhi Nagar, Kota (Raj.) | www.motion.ac.in

JEE Campus (At Kota) : "Drona" E-5-II, Road Number 1, Industrial Area | **NEET Campus** (At Kota) : "Daksh" 638, Near CAD Circle, Dadabari

ANSWER KEY

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
D	B	C	A	A	A	B	B	C	C
11	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**
C	D	A	C	C	A	D	A	B	C
21	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
A	C	B	D	C	C	A	C	C	B
31	**32**	**33**	**34**	**35**	**36**	**37**	**38**	**39**	**40**
A	D	B	C	A	A	B	C	C	B
41	**42**	**43**	**44**	**45**	**46**	**47**	**48**	**49**	**50**
C	C	C	D	B	D	C	B	BCD	ABC
51	**52**	**53**	**54**	**55**	**56**	**57**	**58**	**59**	**60**
ABD	AB	BCD	AB	D	AD	BD	AC	ABC	BC

शिक्षक का सेमिनार, ऐसी भीड़ पहली बार

पटना में ऐतिहासिक रहा एनवी सर का मेगा करियर काउंसलिंग शिविर

वे न नेता हैं और न ही अभिनेता लेकिन लोकप्रियता गजब नजर आ रही थी। साढ़े पांच हजार लोगों की क्षमता वाला पटना का बापू सभागार खचाखच भरा था। जी हां, हम बात कर रहे हैं शिक्षक और मोशन एजुकेशन के फाउंडर, सीईओ एनवी सर के मेगा करियर काउंसलिंग व मोटिवेशनल शिविर की।

पटना. खिले–खिले उत्साहित चेहरे और कुछ सीखने की ललक लिए हजारों विद्यार्थियों की हिलोरें लेती भीड़। जोश जज्बे के बीच सफलता, उत्साह और प्रेरणा के सन्देश के साथ एनवी सर के नाम से मशहूर जाने–माने शिक्षक और मोशन एजुकेशन के फाउंडर और सीईओ नितिन विजय।

यह नजारा था 10 अप्रेल को पटना के गांधी मैदान के बापू सभागार का। सेमिनार में भाग लेने वाले स्थानीय जानकारों का कहना था कि पटना में अपनी तरह का यह पहला आयोजन था।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नितिन विजय ने कहा कि मुझे पढ़ाना पसन्द था, इसलिए मैंने आईआईटी में पढ़कर भी शिक्षक की भूमिका स्वीकार की। मोशन एजुकेशन हमारे जोश और जज्बे की कहानी है। इसकी शुरुआत 7 दिसम्बर 2007 को मात्र एक कमरे की फिजिक्स क्लास से हुई थी।

तब मेरे पास डिग्री के अलावा केवल परिवार से मिले संस्कार, विद्यार्थियों की मदद का मिशन और निरंतर प्रयास का जज्बा ही था लेकिन आज मोशन लाखों लोगों की जिंदगी बदलने का जरिया बन गया है। सेमिनार में पहुंचे माता–पिता को विजय ने कहा कि बच्चे की इच्छा का सम्मान करें, मुश्किल समय में अपने बच्चे का साथ दें। भरोसा रखें बच्चे भी आपको निराश नहीं करेंगे। नितिन विजय ने आह्वान किया कि कोटा जाकर वहां की एनजीओ को जरूर महसूस करें।

हमारे यहां हर विद्यार्थी पर व्यक्तिगत ध्यान देते हैं। प्रेरित होकर, कक्षा की प्रतिस्पर्धा भी अपना काम करती है। इसके अलावा हम सीखने–सिखाने के हाइब्रिड मॉडल इस्तेमाल करते हैं। इसमें ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों की खूबियां है। अगर आप कोटा आते हैं तो आपकी सफलता के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

सेमिनार में पहुंचे विद्यार्थी और अभिभावक बोले

सोशल मीडिया पर एनवी सर के वीडियो देखते थे। उनके पटना आने की खबर से ही हम बहुत उत्साहित थे। उनका पटना आना हमारे लिए बहुत बड़ी बात है। 9 अप्रेल की रात को एक्साइटमेंट के कारण हॉस्टल में हमको नींद नहीं आई। सेमिनार में उनसे रू–ब–रू होकर मन में कुछ कर गुजरने का हौसला जागा है और लग रहा है कि ऑल इण्डिया फर्स्ट रैंक मेरी ही होगी। धन्यवाद एनवी सर।

ऋषभकुमार भगत, सेमिनार के बाद

सेमिनार में आकर अच्छा लगा। सेमिनार में बच्चों की शिक्षा के बारे में बताया है। यहां आकर सोचने का मौका मिला कि कैसे पढ़ाना है, आगे बढ़ाना है।

एक अभिभावक, सेमिनार के बाद

जेईई की तैयारी के लिए कोटा जाना चाहता था। पहले थोड़ा नर्वस था अनजान शहर में लाइफ कैसे चलेगी लेकिन एनवी सर को सुनकर मेरा असमंजस दूर हो गया। अब मैं कोटा जाकर कोचिंग लूंगा।

सुमित रंजन, सेमिनार के बाद

सच कहूं, इतना बड़ा सेमिनार और ऐसा प्रेम जीवन में पहली बार मिला है। इसके लिए कृतज्ञ महसूस कर रहा हूं। एक शिक्षक के नाते इतना प्रेम मिलेगा सोचा भी ना था।

नितिन विजय, (फाउंडर और सीईओ, मोशन एजुकेशन)

परवरिश भावनात्मक जुड़ाव से ही आएगा बच्चों में बदलाव

कोटा

हम अपने बच्चे को जैसा बनाना चाहते हैं वैसे पहले हम बनें। मिसाल के लिए यदि कोई काम आपकी पसंद के मुताबिक नहीं होता है तो आप गुस्सा जाहिर करते हैं।

मानकर चलें कि बच्चे के मन की नहीं होगी तो वह भी गुस्सा ही करेगा। घर–घर की कहानी है... ज्यादातर अभिभावक परेशान रहते हैं... कहते हैं बच्चे बात नहीं मानते, गुस्सा करते हैं, टीवी, मोबाइल, गेमिंग में लगे रहते हैं, पढ़ते नहीं..वे बच्चों को समझाते, धमकाते और कई बार मारपीट भी करते हैं..पर सुधार नहीं आता... करें तो क्या करें...वे तय नहीं कर पाते, सोचते हैं आखिर कमी कहां रह गई....।

दरअसल आप बहुत सफल उद्योगपति, अधिकारी, डॉक्टर, इंजीनियर या कुछ भी हो सकते हैं। लेकिन करियर की सफलता और बात है और पेरेंटिंग अलग बात। प्रोफेशनल सक्सेस और समझ परेंटिंग में काम नहीं आती है। आप पूछेंगे फिर क्या करें।

जबरन बदलाव की कोशिश ना करें :

बच्चा वही करता है जो वह सही समझता है। उसका बर्ताव अपने अनुभव और विश्वास के मुताबिक ही होता है। यही कारण है कि आपका रोकना–टोकना, धमकाना बेअसर रहता है।

आप यदि बच्चे को डांटेंगे, धमकाएंगे तो वह आपसे दूर हो जाएगा। डर के वह एक बार आपकी बात मान भी ले पर यह स्थायी नहीं होगा। इसके अलावा आप ही सोचिए जिस बच्चे के साथ आप मारपीट कर रहे हैं, कल वह जब बड़ा होगा और आप बूढ़े तो क्या उसके मन में आपके लिए वह प्यार और सम्मान होगा। शायद वह भी आपसे सख्ती से पेश आए...।

सुशीला विजय,
डायरेक्टर मोशन एजुकेशन

डॉ. स्वाति विजय,
डायरेक्टर मोशन एजुकेशन

ऐसे आएगा बदलाव:

बदलाव की प्रक्रिया को हम एक उदाहरण से समझते हैं। कोई खूब गुटखा खाता है। उसको भी पता है कि इससे कैंसर हो सकता है लेकिन वह फिर भी गुटखा खाता है। लेकिन एक दिन गुटखा खाने वाला उसका खास दोस्त कैंसर से चल बसता है। अचानक उसमें बदलाव आता है और वह गुटखा खाना छोड़ देता है। दरअसल यह बात तो वह पहले भी जानता था कि गुटखा जहर है लेकिन बदलाव इसलिए आता है कि वह अपने दोस्त से भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ था।

बदलाव की शुरुआत खुद से करनी होगी:

हम ओरिजनल कॉपी हैं तो बच्चा हमारी डुप्लीकेट कॉपी है। वह हमको देखकर सीखता है। इसलिए हम अपने बच्चे को जैसा बनाना चाहते हैं, पहले हम बनें। बच्चे में बदलाव चाहते हैं तो शुरूआत खुद से करनी होगी। उदाहरण के लिए यदि कोई काम आपकी पसंद के मुताबिक नहीं होता है तो आप गुस्सा जाहिर करते हैं। मानकर चलें कि बच्चे के मन की नहीं होगी तो वह भी गुस्सा ही करेगा।

बच्चों से जुड़ें:

बच्चा आपकी बात सुने और माने इसके लिए आपस में भावनात्मक जुड़ाव जरूरी है। आपका बच्चे से इमोशनल कनेक्शन होगा तो उसके मन में स्वाभाविक प्यार और सम्मान होगा और वह आपकी जरूर सुनेगा। आप पूछेंगे, यह जुड़ाव बनेगा कैसे... इसके लिए जरूरी है कि बच्चे को समय दें। रोज 20 से 30 मिनट वह काम करें जिससे बच्चा भावनात्मक रूप से आपसे जुड़े। उससे बातें करना, उसके साथ किताबें पढना, उसकी पसंद की फिल्म देखना, अताक्षरी या कुश्ती, लुका–छिपी, पिलो फाइटिंग जो भी उसको अच्छा लगता हो, वह करें। यह बच्चे और आपके बीच जरूर प्यारा सा रिश्ता जगाएगा।

अकेले में निपटाएं झगड़े:

बच्चे के लिए आप आइडल हैं या कहें कि आप उसके भगवान की तरह हैं। उसके सामने बहस, झगड़ा ना करें। इससे उसे बुरा महसूस होगा। उसके मन में आपके लिए सम्मान नहीं रहेगा। जरूरी है कि मम्मी–पापा एक टीम में नजर आएं।

ज्यादातर परिवारों में होता यह है कि मम्मी मना करती है तो पापा डिमांड पूरी कर देते हैं। मम्मी–पापा सख्ती दिखाते हैं तो दादा–दादी या दूसरे बड़े बच्चों की मांग पूरी कर देते हैं।

ऐसे में होता यह है कि घर में बड़े एक दूसरे पर आरोप लगाने लगते हैं कि आपकी वजह से बच्चा बिगड़ रहा है। बड़ों का ऐसा बर्ताव बच्चों के जीवन की लय बिगाड़ता है। इसलिए परिवार में तालमेल जरूरी है। याद रखें–कौन सही है, यह इतना महत्वपूर्ण नहीं है। जरूरी यह है कि बच्चे के लिए क्या सही है।

पढ़ाई को लेकर दबाव नहीं बनाएं:

आप ही क्या कोई अभिभावक पसंद नहीं करेगा कि बच्चा 100 फीसदी नम्बर लाए पर उनका सम्मान नहीं करे, उनसे प्यार नहीं करें। आप बच्चे को पढ़ाई की अहमियत तो बताएं पर इसके लिए दबाव नहीं बनाएं। उसे समझाएं कि फोकस रहकर पूरी कोशिश करे तो उसके बाद जो भी हासिल होगा, वह आपको सहज स्वीकार होगा। आपका मकसद केवल यही होना चाहिए कि बच्चा जिंदगी में आत्मनिर्भर बने, खुश रहे। इसलिए लिए उसको व्यक्तिगत, पारिवारिक, करियर, सामाजिक जिंदगी में संतुलन साधने की कला सिखाएं।

जमाना बदल रहा, आप भी बदलें:

सूचना क्रांति ने बचपन को पूरी तरह बदलकर रख दिया है। समय बदला है तो पैरेंटिंग का तरीका भी बदला है।

आज बच्चे टीवी, कंप्यूटर, मोबाइल के साथ बड़े हो रहे हैं। आप मानकर चलें आपके समय के मुकाबले आज बच्चों के पास जानकारी बहुत अधिक है। ऐसे में आज पैरेंटिंग टीम वर्क ओर सतत सीखने की प्रक्रिया हो गई है। ऐसे में लर्निंग–टीचिंग को तैयार रहें।

मायबिजकिड : लाइफ स्किल्स सीखकर करें सफलता का आगाज

कोटा

क्या आप अपने बच्चे को भविष्य में बिजनेस लीडर या इन्वेस्टर के रूप में देखते हैं... क्या आपको लगता है कि वह एक कंपनी शुरू करेगा या अपेक्षाकृत तेजी से कॉर्पोरेट जगत में तरक्की की सीढ़ियां चढ़ेगा... यदि ऐसा है तो व्यवसाय की दुनिया के एडवेंचर की जर्नी शुरू करने के लिए मायबिजकिड आदर्श जरिया है। मायबिजकिड बच्चों के लिए दुनिया का पहला बिजनेस और फाइनेंस लर्निंग प्लेटफॉर्म है या कहें कि बच्चों के लिए लिए ऑनलाइन एमबीए जैसा है। चार माह के इस पाठ्यक्रम में 55+ लाइव सेशन हैं। इसमें हम लेकर आए हैं उद्योग जगत के लीडर्स और आईआईएम के एक्सपर्ट्स की व्यावसायिक समझ। इसमें दो तरह के प्रोग्राम हैं–पहला 8 से 11 और दूसरा 12 से 16 साल तक के बच्चों के लिए।

मायबिजकिड में हम–पढ़कर घर जाओ, होमवर्क करो और अच्छे नंबर लो, वाले परंपरागत तरीके से नहीं पढ़ाते। कम्युनिकेशन स्किल, लीडरशिप, टीम वर्क, बजट स्किल, आत्मविश्वास बनाने, जीवन के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण, निर्णय लेने और समस्या समाधान की कला सिखाते हैं। यह सब उसको स्टोरी टेलिंग, गेम्स, एनिमेशन और ग्राफिक्स के जरिए मजेदार तरीके से सिखाते हैं। हम बच्चे को हंसते–खेलते उद्यमिता की राह पर ले जाते हैं। ब्रेन स्टॉर्मिंग के जरिए उसको चुनौतियों का सामना करने लायक बनाते हैं। ऐसा माहौल देते हैं जहां वे यूनीक बिजनेस आइडिया से संपन्न बिजनेस लीडर की तरह तैयार हो सकें।

बिजनेस आइडिया आजमाने का मौका :

मायबिजकिड के जरिए आपके बच्चे के रीयल टाइम बिजनेस आइडिया को आजमाने का मौका भी मिलता है। इसके तहत उनको हमारे इन्वेस्टर के सामने पेश होने का अवसर मिलेगा। यदि आपके बच्चे का आयडिया प्रभावी लगता है तो मायबिजकिड 200000 तक की फंडिंग का वादा करता है। उन्हें हमारे एक्सपर्ट्स की गाइडलाइन भी मिलती है।

सफल और औसत लोगों में अंतर केवल बेसिक लाइफ स्किल्स का : मोशन एजुकेशन के फाउंडर, सीईओ और जाने–माने शिक्षक, मोटिवेटर नितिन विजय बच्चों को पढ़ाने और प्रबंधन के अपने 17 वर्ष से अनुभव के आधार पर मायबिजकिड की अवधारणा लेकर आए। डॉ. स्वाति विजय की देखरेख में बाल मनोवैज्ञानिकों की सलाह से इसकी अध्ययन सामग्री को इस तरह डिजाइन किया कि बच्चा पाठ्यक्रम का अधिकतम लाभ उठा सकता है। डॉ. स्वाति विजय बताती हैं–इस प्रोजेक्ट को शुरू करने का आयडिया एनवी सर के साथ मोशन एजुकेशन के संचालन के दौरान मिले अनुभव से आया। मोशन एजुकेशन की 15 साल की जर्नी में हमसे कई छोटी–बड़ी गलतियां हुई। यदि इन गलतियों के बारे में पता होता तो हम कई परेशानियों से बच सकते थे और ज्यादा आसानी हो सकती थी। माय बिज किड में हम बच्चों को ऐसी ही जानकारियां देंगे जो उनको स्टार्टअप शुरू कर उसे चलाने के बारे में बताएगा। हर कोई मानता है कि सफल और औसत लोगों के व्यवहार में महत्वपूर्ण अंतर होता है, लेकिन सावधानीपूर्वक तथ्यों के अध्ययन से हमने पाया कि अंतर केवल बुनियादी जीवन कौशल का है जो हम कम उम्र में सीखते हैं। हम इन जीवन कौशल को वास्तविक दुनिया में कैसे लागू करें, यह सिखाकर अंतर को पाटते हैं। पाठ्यक्रम का सबसे अच्छा हिस्सा यह है कि इसे इस तरह से बनाया गया है कि यह बच्चे को उसके जीवन के हर पहलू में लामान्वित करेगा।

भविष्य की तैयारी आज हो गई तो मिलेगा फायदा

कोटा

हमारा एजुकेशन सिस्टम ऐसा है कि जो सब्जेक्ट की जानकारी तो देता है लेकिन व्यावहारिक चुनौतियों से कैसे निपटना है, इसके बारे में कुछ नहीं बताया जाता। जब आप अच्छे डॉक्टर, इंजीनियर, सीए, विधि विशेषज्ञ जैसे प्रोफेशनल बन जाते हैं तो अगले स्टेप में आप खुद को एक टीम लीडर, फाइनेंस मैनेजर, कम्युनिकेटर...की भूमिका में पाते हैं। नई जिम्मेदारियों के मुताबिक आपको इन कई जरूरी लाइफ स्किल्स की जरूरत महसूस होती है। मायबिजकिड इसी कमी को पूरा करने का प्रयास है। आपका बच्चा यदि 8 से 16 साल का है तो जरूरी लाइफ स्किल्स को सीखने का सही समय है। बाद में उस पर बोर्ड एग्जाम, नीट, जेईई, सीए, कैट, क्लेट जैसे प्रतियोगिता परीक्षाओं का दबाव आ जाएगा, उसके बाद प्रोफेशनल व्यस्तता रहेगी।

नितिन विजय, फाउंडर और सीईओ, मोशन एजुकेशन

लाइफ स्किल्स को अनदेखा करती है हमारी शिक्षा प्रणाली

मायबिजकिड में है समाधान

कोटा

क्या आपको लगता है कि सिर्फ किताबी ज्ञान से नेतृत्व कर दुनिया में सफलता हासिल की जा सकती है। नहीं न। दरअसल हमारी शिक्षा प्रणाली विज्ञान, गणित, सामाजिक अध्ययन, लेखाशास्त्र, अर्थशास्त्र जैसे विषय तो पढ़ाती है लेकिन, बहुत ही महत्वपूर्ण चीज लाइफ स्किल्स को अनदेखा किया जाता है।

देश में गत एक दशक में कॉलेजों की संख्या में तीन गुना वृद्धि हुई है और वे हर साल लगभग 3.7 करोड़ स्नातक पैदा करते हैं। लेकिन विडम्बना है कि शिक्षा के स्तर में वृद्धि के साथ ही बेरोजगारी दर में वृद्धि हुई है। तकनीक ने कई कार्यों के ऑटोमेशन को जन्म दिया है, जिससे उपलब्ध नौकरियों की

संख्या और कम हो गई हैं। ऐसे में आज लाखों शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना देश के सामने बड़ी चुनौती है। आज हमें नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने वाले यानी दूरदृष्टि वाले उद्यमियों की जरूरत है क्योंकि सही कौशल और उद्यमशील दृष्टिकोण ही बेरोजगारी की चुनौती का समाधान कर सकता है। मायबिजकिड बच्चों को एक उद्यमी और समस्या समाधानकर्ता बनने के लिए प्रशिक्षित करता है। यह बच्चों को सफल होने के लिए उपयोगी कौशल और ज्ञान प्रदान करता है। यह कार्यक्रम आपको यह समझने में मदद करेगा कि उद्यमिता क्या है, आपको यह दिखाएगा कि एक उद्यमी बनने के लिए क्या करना पड़ता

NV Sir को बिजनेस वर्ल्ड डिसरप्ट 40 अंडर 40 Award

शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए किया सम्मान

कोटा

मोशन एजुकेशन के फाउंडर और सीईओ नितिन विजय को जानी-मानी बिजनेस पत्रिका-बिजनेस वर्ल्ड की ओर से-बीडब्ल्यू डिसरप्ट 40 अंडर 40- अवार्ड से सम्मानित किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया।

गुरुग्राम के होटल लीला पैलेस में आयोजित समारोह में सम्मान पर प्रतिक्रिया में विजय ने कहा- मैं शिक्षा की काशी कहलाने वाले कोटा से आता हूं और एक शिक्षक

के रूप में पहचाना जाता हूं। कभी सोचा नहीं था कि एक उद्यमी के रूप में अवार्ड मिलेगा। उन्होंने अपनी उपलब्धि माता -पिता, पत्नी, मोशन टीम और विद्यार्थियों को समर्पित की। इस मौके पर विजय ने कहा कि हम शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और लागत कम करने के मिशन पर कार्य कर रहे हैं।कस्टमाइजेशन ऑफ एजुकेशन की ओर जा रहे हैं। उन्होंने कहा- हेल्थ केयर के क्षेत्र में जब भी पेशेंट आता है तो उसको बताना पड़ता कि उसे क्या बीमारी है। दूसरी ओर हर बच्चा अलग होता है लेकिन बच्चों को एक जैसी ही शिक्षा दी जाती है जबकि उनकी समस्या का समाधान अलग-अलग ही होता है। गौरतलब है कि सम्मान समारोह का आयोजन नई दिल्ली आधारित जानी-मानी बिजनेस पत्रिका बिजनेस वर्ल्ड की ओर से किया गया था। इस पत्रिका का प्रकाशन 1983 में टेलीग्राफ की प्रकाशक आनंद बाजार पत्रिका ने शुरू किया था। अनुराग बत्रा इसके संपादक हैं।

मोशन एजुकेशन के फाउंडर - सीईओ नितिन विजय को बिजनेस वर्ल्ड की ओर से बेस्ट इंटरप्रेन्योर अवार्ड-40 अंडर 40 के समारोह का वीडियो देखने के लिए यह क्यू आर कोड स्कैन करें।

कोटा अब मोशन में है नॉलेज के ऑशन में है...

स्टेशन पर अब ऑटो वाले भैया
कोचिंग्स के डायरेक्शन में है,
राजीव गांधी नगर हो या जवाहर नगर,
सारे होस्टल्स, पीजी भी फूल ऑन टशन में है,
क्योंकि कोटा अब मोशन में है।

चिड़ियों की चहक और
गरमा-गरम कचौड़ियों की महक
के साथ पोहे, पैटीज और मोमोस भी
फिर से सर्कुलेशन में है
क्योंकि कोटा अब मोशन में है।

क्लास में फिर बच्चों की खिलखिलाहट सुनकर
हर टीचर के चेहरे पर मुस्कान है,
स्टूडेंट्स भी अपनी आंखों में
जेईई-नीट क्रैक करने के सपने लिए
क्लासरूम में पढ़ रहे पूरे डिवोशन में है,
क्योंकि कोटा अब मोशन में है।
अब क्लासरूम से कैंपस तक हर जगह है शोर,
एनवी सर कोई हंसगुल्ला छोड़े तो
जोर से आवाज आती है वन्स मोर,
डाउट काउंटर के बाहर स्टूडेंट्स भी
अपने हर डाउट को नोट किए
इंतजार-ए-सोल्युशन में है,
क्योंकि कोटा अब मोशन में है।

स्टेशनरी पर सिर्फ
आरडी शर्मा, एचसी वर्मा सुनाई देता है,
हर गली, कॉलोनी में बच्चों का
जमावड़ा दिखाई देता है,

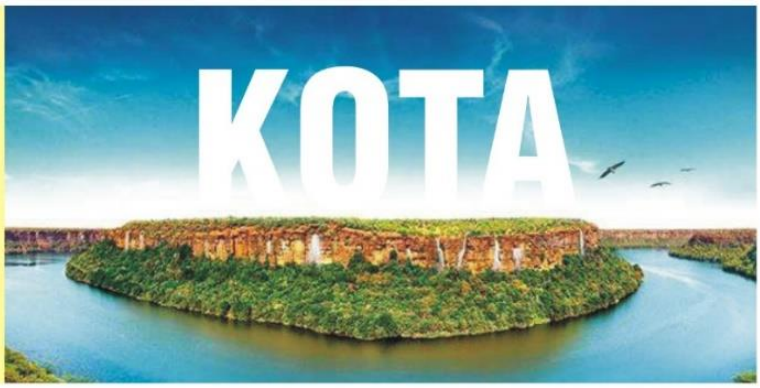

- **मोशन प्रयास के अंतर्गत विद्यार्थियों को क्या-क्या सुविधाएं मिलेंगी?**
  मोशन प्रयास के अंतर्गत कोचिंग, हॉस्टल, भोजन एवं स्कूल की सुविधा दी जाएगी जिससे परिजन इन सभी आवश्यकताओं की उपलब्धता एवं गुणवत्ता को लेकर निश्चिंत हो सकें एवं विद्यार्थी अपना सम्पूर्ण ध्यान प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में लगा सकें ।

- **मोशन प्रयास में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री किस भाषा में प्राप्त होगी?**
  मोशन प्रयास के अंतर्गत विद्यार्थियों की सुविधानुसार सम्पूर्ण पाठ्य सामग्री (स्टडी मटेरियल), टेस्ट सीरीज, डेली प्रॉब्लम प्रेक्टिस शीट इत्यादि हिंदी माध्यम में उपलब्ध होगी जिससे उन्हें समझने में कोई समस्या ना हो और विद्यार्थी मन लगाकर अध्ययन कर सकें।

- **क्या हॉस्टल, स्कूल एवं भोजन आदि की फीस मोशन प्रयास की फीस के अतिरिक्त होगी?**
  मोशन प्रयास में एडमिशन लेने वाले विद्यार्थियों के लिए कोचिंग एवं स्कूल के साथ साथ ही 31 मार्च 2023 तक हॉस्टल एवं भोजन की सभी सुविधाएं एक ही फीस में होगी। जहां प्रयास कोर्स फीस रुपए 160000/- जमा कराने के पश्चात विद्यार्थी पूरी तरह से मोशन एजुकेशन की जिम्मेदारी पर होगा।

- **मोशन प्रयास में 11वीं एवं 12वीं के हिंदी-इंग्लिश जैसे अनिवार्य विषय की तैयारी के लिए कोई सुविधा होगी?**
  मोशन प्रयास के अंतर्गत आवश्यकता अनुसार बोर्ड परीक्षाओं की दृष्टि से हिंदी एवं इंग्लिश जैसे विषयों की तैयारी भी विषय विशेषज्ञों द्वारा करवाई जाएगी जिससे विद्यार्थी को बेहतर बोर्ड स्कोर में भी मदद मिल सकेगी।

- **मोशन प्रयास के अंतर्गत छात्र एवं छात्राओं के लिए किस तरह से हॉस्टल की सुविधा प्रदान की जाएगी?**
  मोशन प्रयास में छात्र एवं छात्राओं के लिए पृथक-पृथक हॉस्टल की व्यवस्था होगी जिससे वे शांत एवं सुरक्षित वातावरण में अध्ययन कर सकें।

- **मोशन प्रयास के अंतर्गत अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को क्लासरूम कोचिंग के अतिरिक्त और क्या सुविधा मिलेगी?**
  मोशन प्रयास के अंतर्गत अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को क्लासरूम कोचिंग के अतिरिक्त मोशन लर्निंग एप की सुविधा भी दी जाएगी जिससे वे वीडियो लेक्चर के माध्यम से रिवीजन कर सकते हैं और क्लास की लाइव रिकॉर्डिंग को फिर से दोहराने के साथ साथ ही अपने स्तर के अनुसार टेस्ट देकर अपनी तैयारी को परख सकते हैं।

- **मोशन प्रयास में क्या केवल मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की तैयारी करावाई जाएगी। 12वीं बोर्ड की तैयारी कैसे करें?**
  मोशन प्रयास के अंतर्गत हर छोटे से लेकर बड़े टॉपिक को इस तरह से पढ़ाया जाएगा कि विद्यार्थियों को मेडिकल अथवा इंजीनियरिंग के साथ ही 11वीं एवं 12वीं की भी तैयारी हो सके। विद्यार्थियों को इसके लिए अतिरिक्त कोचिंग लेने की आवश्यकता नही होगी ।

- **मोशन प्रयास में फीस जमा करने का तरीका?**
  मोशन प्रयास कोर्स मे रजिस्ट्रेशन होने के बाद स्टूडेंट बैंक की ब्याज रहित आसान मासिक किश्तो मे अपनी फीस जमा कर सकता है।

- **मोशन प्रयास में कौन-कौन सी कक्षा का प्रस्ताव दिया जा रहा है?**
  मोशन प्रयास मे कक्षा 11वी अथवा 12वी साइंस के विद्यार्थियों को मेडिकल अथवा इंजीनियरिंग प्रवेश के साथ साथ बोर्ड परीक्षा एवं 12वी पास विद्यार्थियों को पूरी तरह से मेडिकल अथवा इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी करवाई जायेगी।

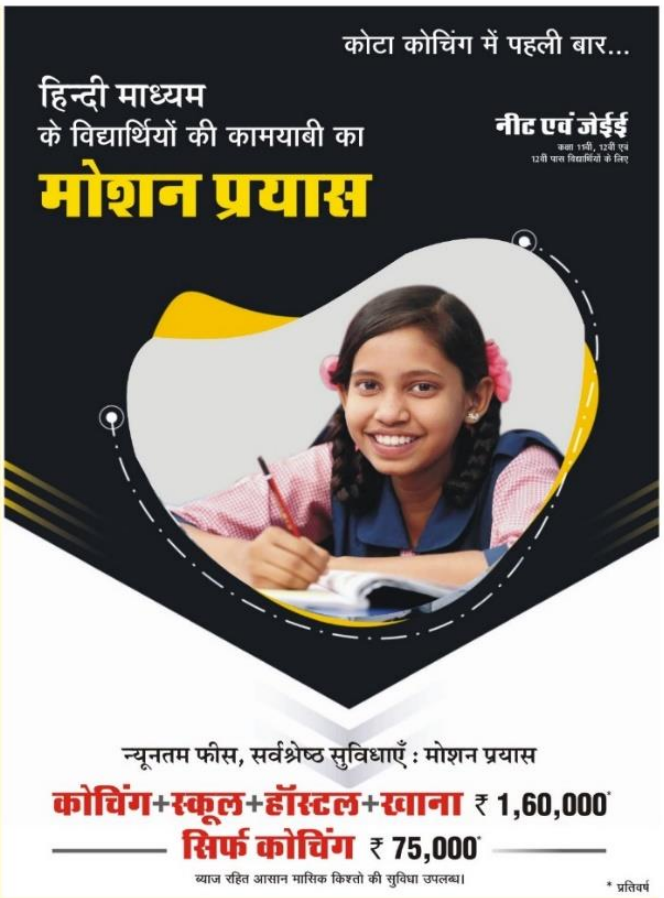

Celebrating our outstanding Result in **JEE Main 2022**

AIR **20**

100 NTA Score

Kanishk Sharma
Eklavya Batch

AIR **35**

Hemanshu Garg
Eklavya Batch

AIR **100**

100 NTA Score in Physics

Vishakha Agarwal
Eklavya Batch

AIR **29** (PwD)

Aditya Singh Bhadoria
Dropper Batch

AIR-**149**

Deevyanshu Malu
IMMP Batch

AIR-**176***

Priyanshu Singh
Dropper Batch

AIR-**208***

Nitin
2 Year Classroom

AIR-**214**

Prakhar Sreeguru
Dropper Batch

AIR-**222**

Abhineet Singh
2 Year Classroom

AIR-**244**

Priyanshu Agrawal
Dropper Batch

AIR-**272***

Girwar Patidar
2 Year Classroom

AIR-**303***

Mukhram Yadav
2 Year Classroom

AIR-**307***

Jatin Singhal
Eklavya Batch

AIR-**355**

Pragati Agrawal
IMMP Batch

AIR-**358**

Madhav Maheshwari
IMMP Batch

AIR-**381**

Bhavuk P. Sarthak
2 Year Classroom

AIR-**412**

Gottupulla V. Aman
2 Year Classroom

AIR-**422***

Tanmay Soni
Eklavya Batch

AIR-**462**

Jubin Singh
IMMP Batch

AIR-**497**

Gaurav Rawat
IMMP Batch

04 Students under **AIR 100**

20 Students under **AIR 500**

100% Selection from **IMMP & V* Batches**

Students Qualified **for JEE ADVANCED** $\frac{4818}{6653}$ = **72.41%**

* Category

Admission Open for KOTA CLASSROOM
Class 5th to 12th Pass Students

JEE | NEET | NTSE | Boards | Olympiads | MyBizkid

Class 12th to 13th Moving Students

DROPPER BATCH

JEE 2023
Starting From :
31st Aug. & 14th Sept. 2022

NEET 2023
Starting From :
31st Aug. & 14th Sept. 2022

Class 10th to 11th Moving Students

NURTURE BATCH

JEE/NEET 2024
Starting From :
14 Sept. 2022

Get upto **100% SCHOLARSHIP** on the basis of JEE 2022

NTA Score	FEE After Scholarship
99.99+	10,000 (Kit Cost)
99.50-99.89	26,271
99-99.49	39,407
98-98.99	45,975
97-97.99	52,542
96-96.99	59,110
95-95.99	65,678
90-94.99	72,245
85-89.99	78,814
80-84.99	91,949
>79.99%	1,05,085

*GST Extra

बेस्ट ब्रेन इंस्टीट्यूट हैं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी

जानिए आईआईटी के बारे में

18 अगस्त 1951 में बंगाल के खड़गपुर में देश का पहला आईआईटी खुला– इस सपने के साथ कि देश के बेहतरीन इंजीनियर तैयार होंगे। 71 साल बाद अब वास्तव में देश को आईआईटी यानि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी पर गर्व होता है कि हमारे देश में बेस्ट ब्रेन यहां से निकलते हैं। दुनिया हमारे आईआईटी का लोहा मानती है। ये संस्थान साबित कर रहा है कि वो क्रीम स्टूडेंट्स को निखारता है। इसके हजारों स्टूडेंट्स अमेरिका और दूसरे देशों में है, जो वहां बहुत बड़े पदों पर हैं और नित नए इनोवेशन कर रहे हैं।

आजादी के पहले से भारत में उच्च शिक्षा वाले टेक्नोलोजी कॉलेज की जरूरत महसूस की जा रही थी। तब सर जोगेंद्र सिंह के नेतृत्व में 22 सदस्यीय कमेटी बनाई गई। बाद में इस कमेटी की कमान अर्थशास्त्री, नेता और उद्योगपति नलिनी रंजन के हाथों में दी गई। देश में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना के लिए अमेरिका के मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को आधार बनाया गया। इसी आधार पर देश में आईआईटी के गठन की बात कही गई। इस कमेटी ने अपनी सिफारिश में लिखा कि देश में बनने वाले भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान को चार हिस्सों में बांटा जाए यानी देश में चार ऐसे संस्थान बनाए जाए।

तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू ने बंगाल के मुख्यमंत्री बीसी राय के सुझाव पर पहले आईआईटी की नींव 1950 में खड़गपुर में रखी। फिर संसद में भी आईआईटी खड़गपुर एक्ट पास कर इस पर मुहर लगा दी गई। तत्कालीन शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद ने इसका उद्घाटन किया। जब इसकी शुरुआत हुई तब इसमें 224 छात्रों का पहला बैच पढ़ने आया। 42 टीचर थे। तब हिजलीपुर कारागार परिसर में ही क्लासरूम, लैब्स और प्रशासनिक आफिस आदि बनाए गए। दस डिपार्टमेंट के साथ शैक्षिक कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

जब 1956 में इसके पहले दीक्षांत समारोह में तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू गए तो उन्होंने कहा कि ये शिक्षा का संस्थान भारत का भविष्य बनेगा। आईआईटी खड़गपुर के बाद 1958 में मुंबई, 1959 में मद्रास और कानपुर आईआईटी कैंपस खोले गए। 1961 में दिल्ली की शुरुआत हुई। यह ऐसे शिक्षण संस्थान हैं, जिनमें शिक्षा हासिल करने के लिए दाखिला मिलना राष्ट्रीय गौरव का विषय माना जाता है। केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर के छात्र इन संस्थानों में पढ़ने के लिए तरसते हैं। आईआईटी की संख्या अब देश में 23 हो चुकी है। हालांकि 05 पुराने आईआईटी को अब भी बेजोड़ माना जाता है। इसमें खड़गपुर का कैंपस 2100 एकड़ में फैला है और सबसे बड़ा है। वैसे सबसे छोटा कैंपन दिल्ली आईआईटी का है, जो 325 एकड़ है।

इन संस्थानों के श्रेष्ठ बौद्धिक शिक्षण स्तर के चलते पूरे देश और यहां तक कि पूरे एशिया में छात्रों के बीच एडमिशन के लिए होड़ मची रहती है। इन संस्थानों में स्नातक स्तर की पढ़ाई में प्रवेश एक संयुक्त प्रवेश परीक्षा के आधार पर होता है। यह परीक्षा बहुत कठिन मानी जाती है।

हालांकि आईआईटी संस्थानों की आलोचना की जाती रही है। माना जाता है कि भारत की गरीब जनता के पैसे से इसमें पढ़कर निकलने वाले पैसा कमाने के लालच में देश छोड़कर अमेरिका सहित दूसरे देशों में चले जाते हैं, जिससे यहां की बौद्धिक संपदा का लाभ भारत को ही नहीं मिल पाया है।

कई दिग्गज दिए आईआईटी बॉम्बे ने देश को :

हालांकि, देश का पहला आईआईटी पश्चिम बंगाल के खड़गपुर में बनाया गया था, लेकिन मुंबई के संस्थान को इसलिए भी अहम माना गया क्योंकि इसे देश की आर्थिक राजधानी में बनाया गया और इसके बाद एक के बाद एक ऐसे संस्थानों की नींव पड़ी। आईआईटी बॉम्बे से पढ़ने वाले कई ऐसे दिग्गज रहे, जिन्होंने देश का रोशन किया। इनमें ट्विटर के सीईओ पराग अग्रवाल, इसरो चेयरमैन के सिवान, इंफोसिस के नॉन–एग्जीक्यूटिव चेयरमैन नंदन नीलेकणि, ओला कैब के को–फाउंडर भाविश अग्रवाल और इंडियन कॉमेडियन विपुल अग्रवाल समेत कई नाम शामिल है।

1 साल में 400 पीएचडी डिग्री देने वाला देश का पहला संस्थान :

यह पहली बार है कि किसी भारतीय शैक्षणिक संस्थान ने एक वर्ष में 400 से अधिक पीएचडी कराई हैं। 2021–22 में, आईआईटी–बॉम्बे को रिसर्च और डिवेलपमेंट के लिए 329.08 करोड़ रुपये का बाहर से फंड मिला था। पहली बार पवई स्थित कॉलेज ने 449 पीएचडी डिग्री प्रदान की है। वहीं पिछले साल 378 और 2019 में 301 स्टूडेंट्स को पीएचडी अवॉर्ड हुई थी। पिछले 10 वर्षों में पीएचडी छात्रों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। 2011–12 में 1, 895 पीएचडी उम्मीदवारों को डिग्रियां दी गई थीं। 2020–21 में संख्या 3, 534 को छू गई और वर्तमान गिनती लगभग 3, 727 है।

अब विदेश में भी बजेगा आईआईटी का डंका, 7 देशों में खुलेंगे आईआईटी के ग्लोबल कैंपस :

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान–आईआईटी दुनिया भर में अपनी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जाना जाता है। बहुत जल्द अब आईआईटी का ग्लोबल विस्तार होगा। आईआईटी को दुनिया तक पहुंचाने के लिए केंद्र द्वारा बनाई गई समिति ने विदेश में स्थित भारतीय दूतावासो से परामर्श के बाद 7 देशों को चिन्हित किया है जहां आईआईटी के ग्लोबल कैंपस खोले जाएंगे। ये सात देश हैं–ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, सऊदी अरब, कतर, मलेशिया और थाइलैंड हैं। कमेटी ने यह रिपोर्ट 26 देशों में स्थित भारती मिशनों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर तैयार किया है। इसके लिए विदेश मंत्रालय ने 2 फरवरी और 28 मार्च को इन मिशनों के अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठकों की व्यवस्था की थी।

इसमें इकॉनोमिक डिप्लोमेसी सेक्शन के अधिकारियों ने भी भाग लिया था। ब्रिटेन में भारतीय हाई कमीशन से प्राप्त इनपुट में कहा गया है कि आईआईटी ग्लोबल कैंपस में सहयोग के लिए ब्रिटेन से 6 तोस प्रस्ताव मिले हैं। ये प्रस्ताव यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम, किंग्स कॉलेज लंदन, यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर, यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड, यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज और यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन की तरफ से आए हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आईआईटी दिल्ली के लिए संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, मिस्र और मलेशिया पसंदीदा विकल्प है।

रिपोर्ट के अनुसार– मिस्र 2022–23 से आईआईटी कैंपस के लिए लालायित है। उसने कहा है कि अगर फिलहाल फिजिकल कैंपस संभव नहीं हो पा रहा है तो ऑनलाइन व्यवस्था ही शुरू कर दी जाए। हालांकि, समिति ने जल्दबाजी के खिलाफ सलाह देते हुए कहा है कि उचित विचार–विमर्श के बाद ही आवासीय परिसरों को खोला जाना चाहिए।

आईआईटी में एडमिशन– तब और अब :

- पहला आईआईटी खड़गपुर में 1951 में खुला था। तब 12वीं के मार्क्स के आधार पर इंटरव्यू होते थे।
- 1955–59 के बीच आईआईटी खड़गपुर ने एग्जाम लेना शुरू किया। इंटरव्यू और काउंसलिंग के बाद किसी ब्रांच में एडमिशन दिया जाता था।
- कॉमन एग्जाम 1960 से शुरू हुआ। इसमें इंग्लिश लैंग्वेज मिलाकर चार सब्जेक्ट के पेपर होते थे।
- 1997 में यह एग्जाम साल में दो बार होने लगा। इसकी वजह कुछ सेंटरों में पेपर लीक होना बताया गया था।
- 2006 से एक ऑब्जेक्टिव टाइप का प्रिलिमनरी एग्जाम कर दिया गया। इसमें पास होने वाले कैंडिडेट्स को मेन्स देना होता है। एग्जाम में बैठने वाले जनरल कैटेगरी के स्टूडेंटस को 12वीं में 60 पर्सेंट और रिजर्व कैटेगरी के स्टूडेंटस को 55 पर्सेंट मार्क्स लाने होते हैं।

जेईई एडवांस्ड के बाद ऐसे होगी काउंसलिंग और सीट आवंटन :

जेईई–एडवांस का रिजल्ट 11 सितम्बर को आयेगा। जोसा की ओर से जेईई एडवांस्ड काउंसलिंग और सीट आवंटन प्रक्रिया 2022 के तहत योग्य उम्मीदवारों को पंजीकरण कराना होगा। जेईई एडवांस्ड काउंसलिंग और सीट आवंटन या जोसा 2022 को पूरा करने के लिए उम्मीदवारों को बताए गए चरणों का पालन करना होगा।

चरण 1 जेईई एडवांस्ड काउंसलिंग पंजीकरण :

जेईई एडवांस्ड काउंसलिंग और सीट आवंटन के लिए उम्मीदवारों को जिस पहले चरण का पालन करना होगा वह है पंजियन। लॉग इन करते समय उम्मीदवारों को क्रेडेंशियल के रूप में जेईई मेन रोल नंबर और जेईई एडवांस्ड पासवर्ड का उपयोग करना होगा। भरे हुए विवरणों की जांच करके इसकी पुष्टि करें।

चरण 2. चॉइस भरना और लॉक करना :

पंजीकरण के बाद उम्मीदवारों को उपलब्ध विकल्पों में से अपनी पसंद के कॉलेज और पाठ्यक्रमों का चयन करना होगा और चयन हो जाने के बाद, इसे लॉक कर दें।

चरण 3 . सीटों का आवंटन :

उम्मीदवारों द्वारा भरी गई जानकारी के आधार पर मॉक अलॉटमेंट किया जाएगा ताकि उम्मीदवारों को संभावित आवंटन के बारे में पता लग सके। इससे वे अपनी पसंद में बदलाव कर सकेंगे। प्राधिकारियों द्वारा योग्यता, पसंद किए गए विकल्प, श्रेणी और उपलब्धता के अनुसार सीट का आवंटन किया जाता है। कुल सात राउंड होंगे और प्रत्येक आवंटन के बाद, उम्मीदवारों को लोट, फ्रीज और स्लाइड में से अपने विकल्प का चुनाव करना होगा।

चरण 4 . केंद्र पर रिपोर्टिंग :

सीटों के आवंटन के बाद उम्मीदवारों को अपना आवंटन पत्र डाउनलोड करना होगा और सीट स्वीकृति शुल्क का भुगतान करना होगा। उम्मीदवारों को अपने दस्तावेजों को अपने संबंधित केंद्रों पर ले जाना होगा जहां सत्यापन किया जाएगा।

जेईई एडवांस्ड रैंक लिस्ट :

अभ्यर्थी ऑनलाइन मोड में जेईई एडवांस्ड 2022 रैंक सूची देख सकेंगे। अधिकारी जेईई एडवांस्ड 2022 परिणाम के साथ रैंक सूची जारी करेंगे। केवल वे उम्मीदवार काउंसलिंग और पंजीकरण सत्र में भाग ले पाएंगे जिनको को रैंक सूची में जगह मिली होगी।

जेईई एडवांस्ड रैंक सूची 2022 में सूचीबद्ध होने के लिए अधिकारियों द्वारा श्रेणीवार न्यूनतम निर्धारित अंक सुरक्षित करना होता है। रैंक सूची देखने के लिए उम्मीदवारों को जेईई एडवांस्ड 2022 आवेदन संख्या और जन्म तिथि दर्ज करनी होगी।

जेईई एडवांस्ड सत्यापन के लिए दस्तावेजों की सूची :

सत्यापित फोटोकॉपी के साथ निम्नलिखित मूल दस्तावेजों को सत्यापन के लिए रिपोर्टिंग केंद्रों में उत्पापित किया जाना है–

– सीट आवंटन पत्र।

– जेईई एडवांस्ड 2022 एडमिट कार्ड।

– जन्म तिथि का प्रमाण के रूप में दसवीं कक्षा, एचएससी–जन्म प्रमाण पत्र या कोई अन्य प्रमाण पत्र।

– फोटो पहचान पत्र।

– कक्षा बारहवीं (एसएससी) समकक्ष परीक्षा की अंक सूची और प्रमाण पत्र।

– सीट स्वीकृति शुल्क भुगतान का प्रमाण।

– पासपोर्ट आकार की दो फोटो।

– सक्षम अधिकारी द्वारा जारी श्रेणी प्रमाण पत्र।

ओबीसी–एनसीएल, एससी, एसटी विकलांग डीएस :

– मेडिकल जांच रिपोर्ट

– विदेशी नागरिकों के लिए

– पासपोर्ट में नाम, फोटो और राष्ट्रीयता वाले पेज की छायाप्रति। जेईई एडवांस्ड 2022 प्रतिभागी संस्थान।

प्राधिकारी निम्नलिखित जईई एडवांस्ड प्रतिभागी संस्थानों में उम्मीदवारों को बी–टेक सीटें प्रदान करेंगे।

जेईई एडवांस्ड से यहाँ मिलेगा प्रवेश :

1. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय)।
2. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर।
3. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बॉम्बे।
4. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली।
5. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गांधीनगर।
6. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गुवाहाटी।
7. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, हैदराबाद।
8. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, इंदौर।
9. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जोधपुर।
10. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कानपुर।
11. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर।
12. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मद्रास।
13. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मंडी।
14. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पालक्कड़।
15. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पटना।
16. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रुड़की।
17. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रोपड़।
18. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तिरुपति।
19. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, छत्तीसगढ़।
20. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गोवा।
21. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जम्मू।
22. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कर्नाटक।
23. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स), धनबाद

Puzzle

01. मोटर साइकिल सवार पिता-पुत्र दुर्घटना में घायल हो जाते है। दो अलग-अलग एंबुलेंस उन्हें अलग-अलग हॉस्पिटल लेकर जाती है। पुत्र को जब ऑपरेशन थियेटर में ले जाया गया, तो डॉक्टर ने कहा कि मुझसे इसका ऑपरेशन नही हो सकता क्योंकि यह मेरा बेटा है। यह कैसे हो सकता है?
02. वह क्या है जो ट्रेन के साथ आती है, ट्रेन के साथ जाती है उसका ट्रेन से कोई फायदा नही, फिर भी ट्रेन उसके बिना नही चल सकती?
03. एक आदमी ट्रक चला रहा था। उसने ट्रक की लाइट भी नही जलाई थी और चांद भी नही निकला हुआ था, सामने एक महिला सड़क पार कर रही थी बताओ कि उसने उस महिला को कैसे देखा?
04. चिंकी के पिता के पांच बच्चे है, नाना, नैनी, नीनी, नोनो, पांचवे बच्चे का नाम क्या है?
05. जितना तुम आगे बढ़ाते हो उतने ही पीछे छूट जाते हो बताओ तो वह क्या है?
06. एक आदमी अपने हर जन्मदिन पर 1 रुपया जमा करता था, जब अपने 60वें जन्मदिन पर उसने पैसे गिने, तो केवल पर 15 रुपए ही थे, ऐसा क्यों?
07. किसका वजन ज्यादा होगा, एक किलो पंख या एक किलो पत्थर?
08. अरुण, टीना के पिता है, तो अरुण, टीना के पिता का क्या है?
09. वह क्या है, जिसके पास एक आंख है, फिर भी नही देख सकती?
10. अगर 2+6+10+14+18+22+26+30+34+38=200 है, तो इनमे से ऐसे 5 नंबर चुनो, जिनका कुल जोड़ 100 हो।

Answer:

01. डॉक्टर लड़के की माँ है। 02. आवाज 03. क्योंकि दिन का समय था 04. चिंकी 05. कदम 06. क्योंकि उनका जन्मदिन 29 फरवरी को होता था 07. दोनों का वजन समान था 08. नाम 09. सुई 10. 38+26+24+10+2

Predict Rank & Collage based on JEE Advanced 2022 Score at www.motion.ac.in